1. भाषा [Language]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. लिखकर, 2. बोलकर, 3. समझकर, 4. देखकर

ख. 1. जब हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरा उस बात को समझ लेता है, उसे भाषा कहते हैं।

2. हम बातचीत सुनकर, बोलकर, लिखकर और पढ़कर करते हैं।

ग. लाल रंग – रुकने का संकेत देती है।

पीला रंग – सावधानी पूर्व गाड़ी चलाने का संकेत देती है।

हरा रंग – हरी लाइटें गाड़ी चलाने का संकेत देती है।

2. भाषा के रूप [Kinds of Language]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. म, 2. ल, 3. म, 4. म, 5. ल

ख. 1. भाषा के चारों कौशल के नाम हैं–सुनना, बोलना, लिखना तथा पढ़ना है।

2. भाषा के दो रूप होते हैं।

3. भाषा के दो रूप मौखिक और लिखित हैं।

4. पुस्तक पढ़ना भाषा का लिखित रूप है।

ग. 1. अ 2. ब 3. ब 4. ब

3. वर्णमाला [Alphabet]

अभ्यास-उत्तर

क. (i)

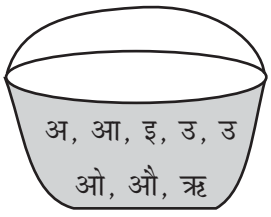

स्वर

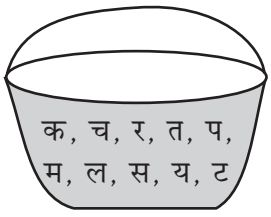

व्यंजन

(ii) 1. व्यंजन 35 होते हैं।

2. संयुक्त व्यंजन क्ष, त्र, ज्ञ और श्र हैं।

ख. 1. मुख से निकलने वाली आवाज़ को ध्वनि कहते हैं।

2. वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर और व्यंजन

3. हिंदी में स्वर ग्यारह होते हैं।

ग.

स्वर

अ	आ	इ	ई
◌	◌ा	◌ि	◌ी
उ	ऊ	ऋ	ए
◌ु	◌ू	◌ृ	◌े
ऐ	ओ	औ	
◌ै	◌ो	◌ौ	

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	
	ड़	ढ़		

घ. विद्यार्थी स्वयं करें।

ङ.

कलम	मकड़ी	ककड़ी	महक
करना	सबक	सकल	जकड़ना
हलक	कसक	मकान	कबूतर

4. शब्द और वाक्य [Word and Sentence]

अभ्यास-उत्तर

क. बताइए (मौखिक)

(i) वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।

(ii) शब्दों के मेल से वाक्य बनता है।

ख. (i) ''ब'' + ''ट'' + ''न''

.....बटन.....

''म'' + ''ग'' + ''र''

.....मगर.....

''ज'' + ''ग''

.....जग.....

''र'' + ''ब'' + ''र''

.....रबर.....

(ii) 1. वर्णों से मिलकर शब्द बनते हैं। जैसे– रा + जा = राजा

2. गुलाब, बादल।

ग. ·····कलम····· ·····कमल·····

·····कमर····· ·····कसम·····

घ. ·····बतख····· ·····शलगम·····

·····कलम····· ·····घर·····

ङ. 1. मोहन किताब पढ़ता है। 2. पिंकी स्कूल जाती है।

3. सीता खेत में काम करती है। 4. चाँद रोशनी देता है।

च. ···रोहन··पतंग··उड़ा··रहा··है।· ··सीता··पौधों··में··पानी··दे··रही··है।··

····गीता··टीवी··देख··रही··है।· ···पिंकी··स्कूल··जा··रही··है।·

···मोहन··किताब··पढ़··रहा··है।·

5. नाम वाले शब्द (संज्ञा) [Noun]

अभ्यास–उत्तर

क. **बताइए (मौखिक)**

1. लड़के फुटबॉल से खेल रहे हैं। 2. माली घास में पानी दे रहा है।

3. लड़कियाँ आइसक्रीम खा रही है। 4. पेड़ पर चिड़िया बैठी है।

ख. (i) 1. घड़ी 2. अलमारी 3. परदे

4. पलंग 5. टेबल 6. टेबल लैंप

7. तकिया 8. मेज़ 9. कप

10. पुस्तकें 11. पायदान 12. फूलदान

(ii) 1. नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। जैसे– मोहन, दिल्ली।

2. संज्ञा के भेदों के नाम हैं–व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक।

6. तरह-तरह के नाम [Different Names]

अभ्यास–उत्तर

क. हाथी घड़ा अंगूर सूरजमुखी

ख. 1. राम, मोहन, 2. आलू, टमाटर, 3. कार, बस

ग. 1. हाथ, 2. कॉपी, 3. श्यामपट्ट, 4. पुस्तक

घ. 1. शेर
2. कबूतर
3. आलू
4. बिल्ली

ङ. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. लिंग [Gender]

अभ्यास-उत्तर

क. 1. पिता – पुल्लिंग 2. चाचा – पुल्लिंग
3. शेरनी – स्त्रीलिंग 4. धोबिन – स्त्रीलिंग

ख. 1. दादा – दादी 2. मामा – मामी
3. मुरगा – मुरगी 4. नाना – नानी

ग. 1. ऐसा चिह्न जिससे किसी चीज़ की जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं। जैसे– लड़का, लड़की आदि।
2. लिंग के दोनों भेदों के नाम–पुल्लिंग और स्त्रीलिंग।

घ.

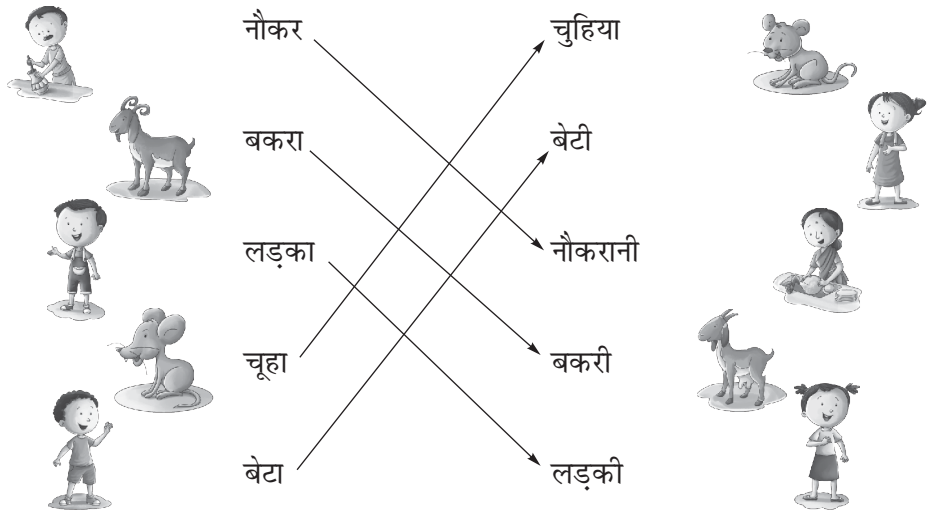

8. एक-अनेक (वचन) [Number]

अभ्यास-उत्तर

क. (i) 1. अनेक, एक 2. अनेक, एक

(ii) 1. एक और अनेक का भेद बताने वाले शब्द वचन कहलाते हैं।

2. वचन के भेदों के नाम–एकवचन और बहुवचन।

ख.

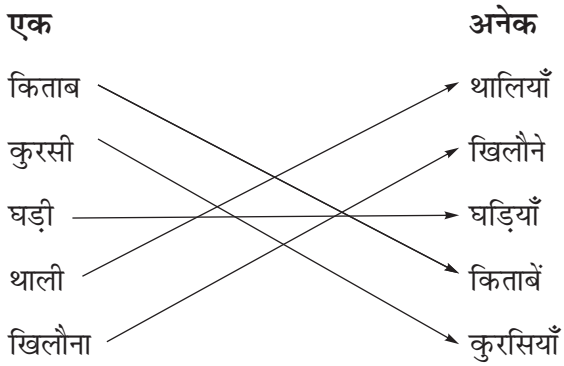

ग.

एक	अनेक
कलम	पत्ते
बकरा	बच्चे
घड़ा	कलियाँ
पुस्तक	सड़कें
घड़ी	बस्ते

9. सबका नाम (सर्वनाम) [Pronoun]

अभ्यास-उत्तर

क. (i) 1. वह, 2. वह, 3. उसकी, 4. अपने

(ii) 1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

2. मैं, हम, तुम, वह, उसका

ख. 1. वह, 2. मैं, 3. हम

ग.

हम	यह
तुम	उसका
मैं	वह

10. विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण) [Adjective]

अभ्यास-उत्तर

क. (i) 1. कड़वा, 2. एक, 3. खट्टी, 4. गोल।

(ii) 1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं उन्हें विशेषण कहते हैं। जैसे– मीठा, लंबा, नमकीन आदि।

ख. 1. मीठी, 2. खट्टा, 3. चटपटा, 4. तीखी, 5. नमकीन

ग.

1.	ऊँचा	पहाड़
2.	हरा	खेत
3.	लंबी	लड़की
4.	मीठे	फल
5.	काला	कौआ

11. काम करने वाले शब्द (क्रिया) [Verb]

अभ्यास-उत्तर

क. (i) 1. (जाना) 2. (हँसना) 3. (सोना) 4. (दौड़ना) 5. (खेलना)

(ii) 1. जो शब्द काम का करना या होना बताते हैं उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे– पढ़ना, लिखना आदि।

ख. 1. चर रही, 2. बना रही, 3. लिख रहा, 4. खेल रहे, 5. उड़ रही

ग. **मिलान–**

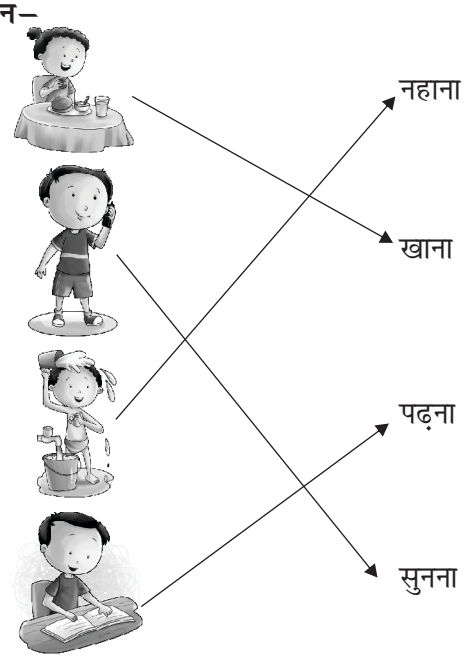

12. कहानी-पठन [Story Reading]

प्यासा कौआ

एक **कौआ** बहुत प्यासा था। वह **बगीचे/जंगल** में इधर-उधर **पानी** ढूँढ़ता रहा, किंतु **कौआ** को कहीं **पानी** दिखाई नहीं दे रहा था। बहुत ढूँढ़ने के बाद उसे दूर एक **घड़ा** दिखाई दिया। **कौआ** ने पास जाकर देखा **घड़े** में **पानी** बहुत नीचे था। कौआ की चोंच **घड़े की सतह** तक नहीं पहुँची। **कौआ** को एक उपाय सूझा। उसने पास पड़े **कंकड़** को **घड़े** में डालना शुरू किया। **पानी घड़े** में ऊपर तक आ गया। **कौआ** ने अपनी प्यास बुझाई और नीले **आकाश** में उड़ गया।

अंगूर खट्टे हैं

एक बार एक **लोमड़ी जंगल** में **फल** की तलाश में घूम रही थी। **लोमड़ी** को सामने **अंगूर** की बेल दिखाई दी। **लोमड़ी** ने देखा, उस **बेल** में **अंगूर** के बड़े-बड़े गुच्छे लटक रहे हैं। **लोमड़ी** के मुँह में **पानी** आ गया। वह **अंगूर** तक पहुँचने के लिए कई बार उछली किंतु **अंगूर** तक पहुँच न सकी। अंत में निराश होकर वह बोली– **अंगूर** खट्टे हैं।